BCM SCHOOL BASANT AVENUE LUDHIANA

Class VI

Hindi Assignment

1.व्याकरण

दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए-(8)

1. क्रियाविशेषण चुनकर भेद बताइए -
   कमरे से बाहर जाओ।
   बाहर - स्थान वाचक क्रिया विशेषण
2. कारक का भेद बताइए-
   बच्चों का खिलौना टूट गया ।
   का - संबंध कारक
3. वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखो-
   बकरियाॅ घास चर रही हैं ।
   बकरी घास चर रही है।
4. श्रुतिसम भिन्नार्थक के अर्थ स्पष्ट कीजिए-
   कुल -वंश / कूल -किनारा
5. मुख का तद्भव रूप लिखिए।
   मुँह
6. दिए गए वाक्य में विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए-
   वाह !कितने सुंदर फूल खिले हैं।
7. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   राजा ने अपने …प्रासाद…..में हवन करवाया और……प्रसाद.. में गरीबों को वस्त्र बाॅटे।(प्रसाद/प्रासाद)
8. अधिकरण कारक का विभक्ति चिह्न चुनिए -
   क)को ख) में ग) से घ) ने
   में
9. 49 का हिंदी रूपांतरण है-
   क)उनचास ख) उनतीस ग) उनतालीस घ) उन्नीस
   उनचास
10. टवर्ग का दूसरा वर्ण है-
    क) फ ख)ब ग) ठ घ)म
    ठ

2. शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-
   सुकून असमर्थता
   स्वयं करें

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए-
   1. तेनालीराम कौन थे?
   2. सैलून का मालिक कौन है?
   3. उसकी बंदे कहाॅ-कहाॅ गिरती है?
   स्वयं करें

4. दिए गए प्रश्नों के उत्तर तीन -चार पंक्ति में दीजिए-
   1. राजपुरोहित ने तेनालीराम को परेशान करने के लिए क्या योजना बनाई?
   2. मैंना के दोनों बच्चों की परवरिश में क्या अंतर था?
   3. ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम निंदा है ,कैसे?

4. जफर मियाँ के व्यक्तित्व की विशेषताएं बताइए।

स्वयं करें

5. गद्यांश पढ़कर कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्त्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरु है, वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवी बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाचारता का कोई अंत नहीं होता, किंतु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

(क) मानव जाति को महत्त्व देने में किसका योगदान है?

(iii) विवेक और विचारों का

(ख) विचारों की पूँजी में शामिल नहीं है-

(i) उत्साह

(ग) मानव में पाशविक प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं?

(iii) कुविचारों के कारण

(घ) बुद्धि का वर्ण विच्छेद है-

(i)ब्+उ+द्+ध्+इ

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(ii) विचार शक्ति